कक्षा -दसवीं

हिंदी

पाठ्यक्रम

प्रश्न-पत्र दो खंडों - खंड 'अ' और 'ब' का होगा।

खंड 'अ' में वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएँगे।

खंड 'अ' में कुल 53 प्रश्न होंगें जिनमें से केवल 40 प्रश्नों के ही उत्तर देने होंगें।

खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रश्नों में उचित आंतरिक विकल्प दिए जाएँगे|

परीक्षा भार विभाजन

खंड 'अ' (वस्तुपरक प्रश्न)

1. चार में से दो अपठित गद्यांश- **बहुविकल्पात्मक प्रश्न 1x5** **10 अंक**

2. **व्याकरण (पाठ्यपुस्तक के आधार पर बहुविकल्पात्मक प्रश्न 1x16** **16 अंक**
   1. **पदबंध (5 में से कोई 4)** **04 अंक**
   2. **रचना के आधार पर वाक्य-रूपांतरण (5 में से कोई 4)** **04 अंक**
   3. **समास (5 में से कोई 4)** **04 अंक**
   4. **मुहावरे (4, सभी अनिवार्य)** **04 अंक**
3. **स्पर्श (भाग-2)** **14 अंक**

   काव्य खंड-पठित पद्यांश पर 4 बहुविकल्पात्मक प्रश्न 1x4 04अंक **04 अंक**

   गद्य खंड-दो पठित गद्यांशों पर 5-5 बहुविकल्पात्मक प्रश्न 1x5 **10 अंक**

खंड 'अ' (वर्णनात्मक प्रश्न)

4. **स्पर्श व संचयन (भाग-2)** **14 अंक**

1. पाठों पर आधारित 25-30 शब्दों वाले 3 में से 2 प्रश्न 2x2	**04 अंक**	
2. पाठों पर आधारित 60-70 शब्दों वाला 1 प्रश्न 4x1	**04 अंक**	
3. संचयन-पाठों पर आधारित 40-50 शब्दों वाले 3 में से 2 प्रश्न 3x2	**06 अंक**	
5. लेखन		26 अंक
अ. संकेत बिंदुओं पर आधारित अनुच्छेद लेखन 80-100शब्दों का (विकल्प सहित)	06 अंक	
ब. औपचारिक पत्र लेखन (विकल्प सहित)	05 अंक	
स. सूचना लेखन - **30-40 शब्दों** में (विकल्प सहित)	05 अंक	
द. विज्ञापन लेखन - **25-50 शब्दों** में (विकल्प सहित)	05 अंक	
कुल		80 अंक
6. (क) श्रवण तथा वाचन-10 अंक		10 अंक
(ख) परियोजना - 10 अंक		10 अंक
कुल अंक		100 अंक

निर्धारित पुस्तकें:

1. **स्पर्श, भाग–2,** एन.सी.ई.आर.टी.,, नई दिल्ली

2. **संचयन, भाग–2,** एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली

3. व्याकरण परिचय - फुल मार्क्स प्रा0 लि0

मास	पाठ का नाम (साहित्य खंड)	व्याकरण तथा रचनात्मक लेखन	शिक्षण- अधिगम के प्रतिफल	नवीन शिक्षण युक्तियाँ कला एकीकरण अंतर्विषयी दृष्टिकोण	गतिविधि परियोजना
मार्च-अप्रैल	**पाठ-बड़े भाईसाहब** **कविता - साखी (कबीरदास)** **पाठ -तताँरावामीरो - कथा**	- **पदबंध, मुहावरे, अपठित बोध, अनुच्छेद लेखन, औपचारिक पत्र-लेखन**	**भाषिक कौशलों का विकास, शब्द-कोश में वृद्धि करना,मुहावरेदार भाषायोग की क्षमता में अभिवृद्धिप्र - आदि।** **भाषिक कौशलों का विकास-शब्द , ,कोश में वृद्धि करना मानवीय मूल्य स्थापित करनासाहित्य के रसास्वादन की क्षमता का विकास** भाषिक कौशलों का विकास करना, शब्द कोश में वृद्धिसंकीर्ण , मान्यताओं का विरोध करने की ,प्रेरणा मानवीय मूल्यों की प्रतिष्ठा, **भाषा-ज्ञान में वृद्धि, शब्दकोश में वृद्धि करना, भाषा के आलंकारिक**	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, चिंतन-मनन, पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं का अभ्यास **उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, चिंतन-मनन, भाषायी दक्षता का विकास, काव्य का रसास्वादन** आदर्श एवं अनुकरण वाचन, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, चिंतन-मनन, पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं का अभ्यास	**बड़े-बुज़ुर्गों का जीवनानुभव श्रेष्ठ जीवन जीने के लिए आवश्यक-विचारों की अभिव्यक्ति** कबीर के दोहों के प्रतिपाद्य संबंधी विचार-प्रस्तुति लोक-कथाओं से जीवन में प्रेरणा -- परिचर्चा

			(मुहावरेदार भाषा) प्रयोग की क्षमता में अभिवृद्धि, रचनात्मक लेखन का विकास आदि।		
मई	**कविता - पर्वत प्रदेश में पावस** **कहानी - हरिहर काका**	**अपठित बोध, रचना के आधार पर वाक्य-भेद, वाक्य-रूपांतरण, लघु कथा लेखन**	भाषिक कौशलों का विकास करनासाहित्य ,शब्द कोश में वृद्धि, के रसास्वादन की क्षमता में वृद्धि प्रेम की ओर उन्मु-प्रकृति ,करनाख करना , **साहित्य की गद्य विधा के अंतर्गत कहानी का परिचय देना , सहज अभिव्यक्ति करने की क्षमता का विकास, रिश्ते-नातों में प्रेम व सम्मान की भावना अपनाने हेतु प्रेरित करना** **भाषा का विकास, चिंतन-मनन की योग्यता में वृद्धि, वाक्य- ज्ञान आदि**	**उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, चिंतन-मनन, भाषायी दक्षता का विकास, काव्य का रसास्वादन** आदर्श एवं अनुकरण वाचन, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, चिंतन-मनन, पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं का अभ्यास	**पंत जी की प्रकृति से संबंधित अन्य कविताओं संबंधी चर्चा**
जुलाई	**कविता- मनुष्यता** **कहानी-सपनों के-से दिन**		**साहित्य के प्रति रुचि (पठन-कविता) कोश में वृद्धि -शब्द ,उत्पन्न करना मानवीयता के गुणों की ,करना प्रतिष्ठा** **भाषिक कौशलों का विकास करना, बाल मनोविज्ञान से परिचय, स्वानुभव अनुभूति की भावना जाग्रत करना आदि**	**उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, चिंतन-मनन, भाषायी दक्षता का विकास, काव्य का रसास्वादन** आदर्श एवं अनुकरण वाचन, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, चिंतन-मनन, पाठांतर्गत	**परोपकार:महान गुण-परिचर्चा** **छात्रों के अनुभव संबंधी चर्चा**

		समास, विज्ञापन-लेखन, सूचना-लेखन, लघु कथा लेखन -	**भाषा का विकास, शब्द-ज्ञान में वृद्धि, भाषा के व्यावहारिक प्रयोग की क्षमता का विकास, चिंतन-मनन की योग्यता में वृद्धि, वाक्य- ज्ञान आदि**	प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं का अभ्यास	
अगस्त	**कविता - पद (मीराबाई)** **पाठअब कहाँ दूसरों - के दुख में दुखी होने वाले** **कविताकर चले हम फ़िदा**	-	भाषिक कौशलों का विकास करनासाहित्य ,शब्द कोश में वृद्धि, के रसास्वादन की क्षमता में वृद्धि भावना उत्पन्न-छात्रों में भक्ति ,करना करना , भाषिक कौशलों का विकास करना, शब्द कोश में वृद्धिपर्यावरण के , ,प्रति जागरुकता उत्पन्न करना नैतिक मूल्यों का विकासकरना , सांस्कृतिक विरासत के महत्व को समझना **भाषिक कौशलों का विकास-शब्द , ,भंडार में वृद्धि करनादेशप्रेम व देशभक्ति की भावना जाग्रत करना भाषा का विकास, शब्द-ज्ञान में**	**उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, चिंतन-मनन, भाषायी दक्षता का विकास, काव्य का रसास्वादन** (विज्ञान तथा कला के साथ एकीकृत गतिविधि) **विज्ञान तथा हिंदी- मानव की स्वार्थी तथा लालची प्रवृत्ति का प्रकृति पर दुष्प्रभाव (छात्रों द्वारा चित्रसहित फाइल प्रस्तुति)** **चित्रकला - पर्यावरण संबंधी पोस्टर निर्माण** **उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, चिंतन-मनन, भाषायी दक्षता का विकास, काव्य का रसास्वादन**	मीरा की भक्ति-भावना तथा उसके पदों के प्रतिपाद्य संबंधी विचार-प्रस्तुति 5-5 छात्र समूहों में यह गतिविधि फाइल प्रस्तुत करते हुए करेंगे। सैनिक की आत्मकथा-भावाभिव्यक्ति

			वृद्धि,वाक्य-ज्ञान आदि		
सितंबर	**पाठ पतझड़ में टूटी-) पतियाँझेन की देन)** **कहानी-टोपी शुक्ला**	**-** **लघु कथा लेखन, अपठित बोध, समास**	**भाषिक कौशलों का विकास-शब्द , कोश में वृद्धि करना , आधुनिकीकरण, के कारण मानव पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को उजागर करना** **भाषिक कौशलों का विकास करना, बाल मनोविज्ञान से परिचय,मानवीय मूल्यों का विकास, स्वानुभव अनुभूति की भावना जाग्रत करना आदि** **भाषा का विकास, शब्द-ज्ञान में वृद्धि, चिंतन-मनन की क्षमता का विकास आदि**	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, चिंतन-मनन, पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं का अभ्यास आदर्श एवं अनुकरण वाचन, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, चिंतन-मनन, पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं का अभ्यास	**चिंता चिता समान-विचाराभिव्यक्ति**
अक्तूबर	**पाठ - कारतूस (एकांकी)**	**-** **मुहावरे, अपठित बोध, अनुच्छेद लेखन, विज्ञापन-लेखन, सूचना लेखन**	**भाषिक कौशलों का विकास करना, शब्द ,ज्ञान में वृद्धि-राष्ट्रप्रेम की भावना का विकास करना** **भाषा-ज्ञान में वृद्धि, शब्दकोश में वृद्धि करना, भाषा के आलंकारिक (मुहावरेदार भाषा) प्रयोग की क्षमता में अभिवृद्धि, रचनात्मक लेखन का**	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, चिंतन-मनन, पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं का अभ्यास	**देशभक्तों तथा शहीदों के त्यागपूर्ण जीवन से सीख - विचारों का आदान-प्रदान**

			विकास आदि।		